राज्यपाल सचिवालय
राजभवन जयपुर

पक्षियों की मौत का मामला, राज्यपाल ने ली जानकारी

राज्यपाल ने रोग नियन्त्रण के लिए किये गये सामूहिक प्रयास की प्रंशसा की

गंभीर चिंता का विषय, रोग के कारण और निवारण ढूंढने की आवश्यकता

– राज्यपाल

जयपुर, 20 नवम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने बुधवार को सांय यहां राजभवन में बुलाई एक महत्वपूर्ण तात्कालिक बैठक में सांभर में हुई पक्षियों की मौत और बचाव के उपायों के बारे में मुख्य सचिव श्री डी.बी. गुप्ता और वन व पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर मामले की समीक्षा की।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि पक्षियों की मौत का मामला गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पक्षियों की मौत के कारण और रोग निवारण के उपाय ढूंढने आवश्यक हैं। रोग के फैलाव को रोकने और रोग से बचाव के लिए पुख्ता प्रबन्ध किये जाने आवश्यक हैं। श्री मिश्र ने कहा कि इस बीमारी पर तत्काल नियंत्रण किया जाना भी बेहद जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान में विश्व के अनेक दूर–दराज के स्थानों से प्रवास करके यहां पक्षी आते हैं। प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा हमारे राज्य की जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने पक्षियों के इस रोग पर नियंत्रण करने और बचाव के लिए किये गये राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय व देश की अन्य प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों के समन्वित व सामूहिक प्रयास की प्रंशसा की। राज्यपाल ने कहा कि देश की विभिन्न प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिकों के माध्यम से घटना का विश्लेषण करने के पश्चात निकलने वाला निर्णय भविष्य के लिए सावचेत करने वाला व फलदायी होगा।

राज्यपाल श्री मिश्र को मुख्य सचिव श्री डी.बी.गुप्ता ने बताया कि ऐसी घटना राज्य में पहली बार हुई है। घटना की जानकारी होते ही राज्य के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय और आईबीआरआई, बरेली की पशु–पक्षी रोग जांच प्रयोगशाला के विशेषज्ञों के दलों को तुरन्त बुला लिया गया था। राजुवास के कुलपति डॉ. विष्णु शर्मा द्वारा डॉ. अनिल कटारिया की अध्यक्षता में गठित दल ने रोग की पहचान कराने में मदद की। मुख्य सचिव श्री गुप्ता ने बताया कि अब तक मृत पक्षियों की संख्या सत्रह हजार नौ सौ इक्यासी (17981) है। बुधवार को बैठक होने तक तीस (30) मृत पक्षियों के शरीर पाये गये। लगातार समन्वित प्रयासों से इस बीमारी पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया गया है। राज्य वैटलैण्ड ऑथोरिटी का गठन करने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया जा रहा है। सांभर झील के प्रबंधन के लिए सांभर मैनेजमेंट प्लान की विस्तृत रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है।

बैठक में वन विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती श्रेया गुहा ने बताया कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजिज की रिपोर्ट में उल्लेख है कि यह रोग बर्ड फ्लू नहीं है। पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के लैब के वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के अनुसार संभवतया यह एवियन बोटुलिज्म रोग प्रतीत हो रहा है। आईबीआरआई, बेरली की लैब से भी पक्षियों के रोग की जांच की जा रही है, जिसकी रिपोर्ट शीघ्र ही प्राप्त हो जायेगी। घटना स्थल पर एम्बुलेन्स की तुरन्त व्यवस्था कर दी गई थी। श्रीमती गुहा ने बताया कि जयपुर, नागौर और अजमेर क्षेत्र के जिला कलक्टर को विडीयो कान्फ्रेस के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने आवश्यक दिशा–निर्देश दे दिए हैं। बीमार पक्षी इलाज के बाद शीघ्रता से स्वस्थ हो रहे हैं।

बैठक में मुख्य सचिव श्री डी.बी.गुप्ता, वन विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती श्रेया गुहा, हैड ऑफ दी फॉरेस्ट फोर्स श्री दीपक भटनागर, मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक श्री अरन्दिम तोमर और पशु पालन विभाग के निदेशक श्री शैलेश शर्मा सहित राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार और विशेषाधिकारी श्री गोविन्दराम जायसवाल मौजूद थे ।

———

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क), राज्यपाल